उगचाकीरेष्ठपित्रष्ठप्रतेष्ठसरीस्पेष्ठरदाः। पिशाचमतते व्यक्षियत्र तत्र तत्र मनते । शवत्यशानात् व व्यवभित्र यला योगी चारला चा १३।१० द्राप्तमन्छ उवा च फ्राप्राम नाए वणवास्वयमविषवेत्रेक्षम् स्तर्भान श्वानं तं स्पितिविकामी अति संसार्प्रते मद्रष्ट्र १४ । साहिक उवाच । ज प्रप्रपत्रप त्मा करण पामा पराच्या मः जो विपान त सबेराः वासप्वनमास्तिर्था। उद्भव उवाचा वा सद्वपरित्य जिप का Salas Balling Balli नाजासनी निर्माननिर्मानिर्मानिर्मानिर्मान्य

मिताना नायते का तरा साम ममगत्र हिन्दि क्रियावभितिरक्तारामाम्प्रविव उनान्व वस्पम्य स्वर्तस्य विकारत् लते महा प्रका प्रवेन कर्वति ते वा मिलनिक्तेनमः था क्रमुख्याच लक्षिक्तिनिष्ठ को वा वा वा वित्र ज्ञाचित तर्या तस्या हिन के वर्ष वित्रातिह्न सिन् रिंग सिम द्र गान्य के वि सरमस्पत्ततप्रणामा पर्ग त्रा त्रा में भाव भवान तु स्पाः प्राप्त मेथी इसरित ते म क्रिय प्रकामिन इने भवाव शामक्र वान किले रत्त क्षिप्त स्वरं नियं के निक्त पित्र निक्त के न 同文的表示所有可可以 Depletion of A Manager Depletion の Manager Manage

था। एवड । धर्म उचा चा में इएपा में पातको ए म वासं क्रीवत्स कं की लाभा प्राप्ता माने प्राप्ता पता चेता दे विष्ठं सर्वती में कना येपा भी म से न उवा चे व । जी सी घमाना म नरा चरा धरा विवारणको छ। विल विश्वमितिगामम्धलायनवर्गम्य समस्भागम्यमान्त्राहा। अञ्चन उवान्त विसम्मन्निसम्बयविष्ठारमावत विचागवनंत्रीरावाविसारविचारकारक हिर्पना मिगतिमहास्नाम्। । । वक्तन्त्र ग निरुत्त प्रमान मान्यस्थान का अपार्था जनवंदा TICC-0. Lal Baheri Parti Virgisty Dolling Digitized by Sarvagya Sharada Peetham

श्रीमकेशायनमः अपवाद्यमातालेखाते। पाद्यद्यातः त्रतादनार्वपश्चरवंडिक व्यातावरीशक्तमं गदा ज्यविक्री स्म का या एवा महिष्य प्रमाणवार्ग मानिय लामहब्धाउनाच-धर्मा विवर्दयति वादी बद्दा ती नीन मनंत्रण्यतिष्केत्रकीतंन्य विस्नानम् कीरनेन मार्थनों क्या ने महाते वाताः ।। राष्ट्र मित्रमण नेमा नित्रम् नित्रम् नित्रम् नित्रम् मातु: परो। धर्र सम्बन्धनः। भवति॥३॥ हेड उना माना ए पराम नाम ने नर एंग प्रति इ मेर : के बितः के लियः 

सम्मानास्यनासाय चनासन्तराः प्रमा म्पर्यानगत्तेनरार्गतस्मादद्वधन्यत्रः सिलावे २०॥विष्ठ र उवा च ा। बास देव स्प वयत्याः शंकाः प्रदगतमानसः तेवानस स्पानमान मन मन मन न मनि । त्राम व्यं अवाचिवपित्र स्वालेख परिहरिएखन ध्रष्ठ आदिसाक्षयाक श्राय्य राग्य तव स्ति। २२। द्राष्ट्रा उवाचा वयन्ता श्राक्र धर्म वाद्या हो ला का वा राज महने जततगताविहमं प्रदिन देश हो हो हो पिषवास्य The total and the street of th

द्यमाउवाचामाविद्यमित्र प्रदारमा विकाविष्युक्तस्मार्गाविष्यं नवाराजीविद्गाविद्नमां सयया।१९।।धोष उनातु" प्रयोसमीय सपना सनस्पित्वाच राजी ने पद्माराजा पद्मति विस्ति त्रात्रमवाजनाद्नतान्नत्न वात्रम् संपर का चाए जाति विषम्पातिषिका ज्यांती ताकोरष्ठन आधिवतंत्रानः सकितिनातप्र राश्य पात्रविष्ठताः सिखिना भवति। 2年不足過過一個一個一個一個一個一個一個一個一個一個一個一個一個一個一個一個

ज्ञाराउवाच्या लमेवमाताचापतालम् y लमवं भूम्म संखात में वत में विद्या प्रविर्गत मेव लमेन सर्व मम दव दव २ = गर्योधन उवा वा कि तस्य छरग दो घरग प्रति रगा इत वातमः प्राच्यान्य पत्रान्य पत्रान्य पत्रान्य पत्रान्य नगरणः था ५पशुउवाच ।। पत्रेशा यते ५ जाविदमाधवानतक श्व का शक्ति छो। हिषिक्णः वास्विननमा सात्र ३०॥ ज वडपडवाच्यानमानामामप्राचा Millio Talbahadur Shaatri University Delhi Digitized by Savana parada Poethyn 3 an y

अंत्रम्यामाउवाबः।।कोविद्कष्वावजानाद्व ना सुद्व विश्वषा विश्व मधुस्द् पनिवश्व प्रतामप्रकातमप्रकरान्न नार्ग वणा खुतनासिहने मानमसिर्याक र्मा जा मान्य व पानि न अर रागिन न तया क्षितात्वस राषित्र माना न चा भवा निप्रमान्त्र वर्गा वज्ञाना नरे या की की निवास प्रतियात प्रदेश सम्बद्धा हा तरा वा उ | मरप्रणापामितिकामाप्रणाज नक निगदा धनावा कामाना माना माना है।

ललमगतिनां गतिभवि संस्थिति क्षानाना क सी पप्रत्वात्रमः ३६ श्रीतशा वा व। तश्वतं क्षे किस्रातिकामस्मरतिनिस्राः जलिति ववापद्मनरकाड्डराम्पद् ३०॥सत्यन नी मिन्ने जार स्वपहर वाह प्रोष्ट्री मिन मित्रमार्नितः जीन्मम्स्मानी नरकरके वा वा वाराना कर शहशा व दं पास्त मी ब्यम् ३८।। ५ श्री रे उत्ता ना सक्ते नाग्यका स ता प्रान्त त्यण त अपन जा जा त्र भव ता थ 5 ATOPA BARBAR SINTER TO BE SINTER BY SARVAGINA SUN AND SECTION TO SI

चांक्रलापवासुरवाधदेवकीनं रनाधन्वनं पर्गी प्रमाराम्जिविराप्नमानम्। उरकामप्तं इ वाचनमः परम्भ त्यारां नमसावि स्वपं जलंग स्वाम समायन विशयन मोन मः उर्। विराध्ड वान्वणानमानमान्ति। वायमें बाल रगिताप च जगितापक इमा ममविशपनमानम्। ३४।। एत्यउनामः असीष्ठ व्यस्त आ यो पीतवा स्माम्य तंत्रनमण्पतिगा विदेनते या विधते भेष 3411 of Frank Sastranican Delical Standard Sharks Peethan Fr.

जनगतर सहस्रिख्त पेध्या न समाचिना नण का नी रणवा वा ना करमे भक्ति प्र नगवते ४८ प्रत्ये पउवाच । नाययोनिस तस्त्र प्रयोगिष्ठ प्रजा म्पतंत्रेषतंष्ठ्यच्लामात्तरच्यतास्य पत्रिया ४५ए। वाक्रितिरविवकाना विषय स्वापा नानामनस्मरतः सामद्रपानास्मपत्। ५६॥वित्रामित्र उवाचनावितस्पदानेः कि नेचें: कितपानि: कि पध्र रें: कानि संस्काप तिसिय पवनारायरामिवास्पति ४९॥ वेबाद्दिस्वाभगवान् मगलापत्तना निराधनी

9

तत्रेवगंगा पष्टाना वनेशा में प्रविध्य सरस्य। क्षेत्र सर्गिक कालिव संतितत्र प्राच्येते करंबाभाः प्रमेगा ४० ॥ प्रम उवा नाक्र प्रमानम् तिर्वानम् स्थाः स्वास्ट्रियः मिरमन्विति ने स्रोतमं इर ज्या इत्यान होता सेमरमामम्मलम् मार्गिय में प्रशास मार्गिय मंभातिक एवर विद्याप्त में में सम्माप्त्रमित्वन स्यापा ५२० न्य क्षरमानिक ज्याप्रमाविति स्पानानित FAIL of STORING THE THE Digitized by Sarvegya standar Pophars of 1 30

भवत्तस्यास्मात्वात्तक्तरस्याप्यात्विस गान् अप्राज्ञवत्त्वोद्वकी नंदनो पंज्ञव तुमवतुक्तसावाद्यवग्रः प्रशिवः जयत जवग्रेमध्याम्लः कामलाज जयतंज्ञ वन पश्चीभारनाषा मुक्तदः भ३ वीवलागा चा क्रामं न्य सित्विभवो गर्ड घुना स । तापत्रवापसमनायम्बोयधाय्कामा यग्रास्प्रकाम ज्ञागमाय केशा या पार्टिश. Eal Gahadur Shastri University, Delhi. Digitized by Sarvagya Gharada Peethan ता ज उवा च न किसम लिय प प प प क जा कि

भारवाज्ञ वाच्याला भसे वाजय से वोक तसे वांपराज्ञपायमा जिनिवरस्था मा र पप स्पानना देन : ४८ जो तम उवाच ना जो को तो पानं यह ले जुंका की मकर प्रवारा विदिक्त वासी प्राप्त मेर्स्वण प्रताना विद्ना मसम्दरानवं त्या प्राप्ता अंतिर उतान मोबिदितिसदामाने के बिदितिसदाना जावदितिसन्दणन्य नामविदनी तनम् पराविष्ठाउमन्गिकामित All the sale of the second of

नी मिल सम्पानिनारायरण तल मयापं ६० शोन क्र बाचास्पत्मकल्पारगभाजा न पत्र जा पता प्रता पता पता पता जा नियंत्र जा विषाद्यां किरि ध्रगगंडवान्व। नाराप्यां तिमंत्रांसिवागसिवपावतं नीतपाष नरक बार पतलवतद्वतम्। ध्य पालप उवान्। कितस्पवहानित्रं शास्त्रकीवत किए हम तिकाप्रमेगामामान मन्त्री धिमाधकः १४। वेषापापन उवान य अविभिन्न किल्ला क्रिक्स क्रि

जराते अद्येव मेवसत् मानस्य जत्ति। भारा प्रवासाम्य के कवातियो ने कछव राधनविधो समरणकरात्रा पपा विधरउ वाच मर्ना मेवनामेवनामेव मम्जी वेन कली गतिवना सीव ना सीवग मिर संघा 462प्रस्थयनान्। स्थावनास्यना पत्रयेपरमासने प्रणात्रे प्रानाश यक्त विशवनमाने मा ५०॥ ५ एप प उना च नमानिनारापरापापपं के जिन्दानिन

माम्याप्रवंदर्गायास्य वाच स्यान यवनस्यभजम्यापना स्योगाति उपात्परशास्त्र न ५वःक शवास्यर १॥ मार्कड उवाच संक्रानिम नम्मिष्ट इसारा धनडमकता पनर हते देशां वापिया स्द्वनाच तयत् ११। प्रमासित्वा चका निमिष्निष्ठाड्वा प्रांशानाविस्य चि त्य तार्नामाय हिन्द्र तहर तहर तहर तहर तहर वा र्रित विकास मित्रिय मित्र विकास मित्र व

तत्रक्री विज्ञापोर्धाते ध्रवानिति मिति मित्रः हथ , प्रायः वाचा मिरिक्रतिपापानि द्वा चित्रेराषस्मतः १५ तिखपापिससका नित्यवानिपाननः इद्देषराप्रार् उवाच सक्त चारितं वन हिरित्य वर इव व इस रिकर: सेन मे ना पामने प्रति ६० ७ ले लउवाचारित्रद्रित्रमसाद्री सर्वभाम धुरात्रय नारायरणार्या विध्वापव 13万月之日文至下日3万水与西南南 

वैद्यानारावर्णानि ।।। १६॥ इद्वावनाम्। १ वा प्राप्ता व प्राप्ता नाम हस्वेष्ठ नां पाने के स्वादन वित्ता प्राप्त के स्वादन वित्ता के द्वाः ऋषया अस्ता धनाः की तेयति श्रम रक्रवानिक निर्माति प्रशादा । प्रा पहलातरसापवेद्यवस्ता जमताम् र्वापाविनिम्सो विस्मा प्रमा प्रमा प्रमा त्र १ । भी जनस्य पनितावयाक्ते तिविश्म अविवादोग की मित्रिप्र किला विस्ति मित्रपुर्व Sharada Peethan निर्मा

मिविद्नमाचार्यामेषाज्ञं नएपतिसक लाराम्स्सिस्सिस्सिन्धित्रभ्याम दवउवाचगा निर्मियानिर्मिषे इवा वस 主命司司行司和民政行母題即 लिक्सममनिविद्यायन १५॥ मनउवाच 'शालास्पराविणस्वाकि विवार्जनः श नः इप्राक्तियान्त्रयाना एप्याभ नाउपामकादवउनान् प्रारियाणिननात्री TOTT TO THE BELLEN ON DO THE PORT OF THE P

26501791410 त्मा नपन्ते व व व व व व जा नंति के कितोश भ भ भ प वासदा लिड्डिनक्वराविन्यामिमितिल्टि त्रित्र अके के बहुन मुक्त के ध्या यंतिनियं हु दव नगः कि न सक्त पत् स्यः ट्रितियाँ इत अग्रामिक अग्रामे प्राप्त प्राप्त के अग्रामा सिक्त के अग्रामे स्था सिक्त के अग्रामे सिक्त के अग्राम सिक्त के अग्राम सिक्त के अग्राम सिक्त के अग्र द्वादएस्राकेष्ठतः एरद्या गरान्य प्रका निमित्रियि शामित्र मिया मिया प्रमित्र निपान अने मार्का मार्ग निर्मा के कि मार्ग के कि अद्यामक स्वामे ६ का नित्ते जाता हकी भी का जिस्ते । नेका अद्यामें का अग्रामें का वास १०० दु ब्यू के ने य रहे की ता का कारण साम निमान कि से रहतन 界工作和行1>第工55可其和工利的对布印 हकार्यम्पना न पहास्त्रम न ए दश मिला ध मिहार नेग इसका रामि इवका संख्या जाव 加州可可用的有工长的即断部的长向 ने पर्मार्म ने ने ने न जाना ना निक सि में प्रोन ना सि दें विवास प्राप्त के हिंग प्राप्त है। कि कि कि प्राप्त के प्राप्त के कि कि